A–0384

Total Pages : 2 **Roll No. ....**

MAHL-601

एम.ए. हिन्दी (MAHL)

कथा साहित्य (भाग एक)

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न–पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. भारतेंदु युग में गद्य के विकास की स्थिति का विवेचन करते हुए इस युग के गद्य की विशेषताएँ बताइए।

2. हिंदी कहानी के विकास के केंद्र में मुंशी प्रेमचंद को रखकर कहानी की विकास यात्रा समझाइए।

3. “उपन्यास शाखा प्रशाखा वाला एक विशाल वृक्ष है, जबकि कहानी एक सुकुमार लता” हजारी प्रसाद द्विवेदी के कथन के संदर्भ में उपन्यास और कहानी में अंतर स्पष्ट कीजिए।

4. आधुनिक कहानियों में व्यक्त सामाजिक परिवेश का उद्घाटन कीजिए।

5. प्रेमचंद पूर्व हिंदी के प्रमुख उपन्यासकारों तथा उनके द्वारा रचित उपन्यासों की चर्चा कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट :– खण्ड ‘ख’ में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. हिंदी गद्य के विकास के क्या कारण थे ? स्पष्ट कीजिए।

2. प्रारंभिक गद्य के विकास में जॉन गिलक्राइस्ट की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

3. आंचलिक उपन्यास से क्या तात्पर्य है? किन्हीं दो आंचलिक उपन्यासकारों के नामोल्लेख कीजिए।

4. राजा शिवप्रसाद सितारे हिंद तथा राजा लक्ष्मण सिंह की भाषा शैली में अंतर बताइए।

5. द्विवेदी युगीन किन्हीं चार निबंधकारों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

6. जयशंकर प्रसाद के नाटकों की शैली और विषय वस्तु पर प्रकाश डालिए।

7. जीवनी और आत्मकथा में अंतर बताइए।

8. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कहानी पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

****